

**लोकसुनवाई हेतु**  
**पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन**  
**एवं पर्यावरणीय प्रबंधन योजना**  
**का**  
**कार्यकारणी संक्षेप**

**गोठड़ा चूनापत्थर खदान**

(एमएल संख्या: 47/2007 और एमएल क्षेत्र: 624 हेक्टेयर)

उत्पादन क्षमता में विस्तार; चूनापत्थर: 3.2 से 6.75 मिलियन टन प्रतिवर्ष,  
ऊपरी मृदा: 0.12 मिलियन टन प्रतिवर्ष, अपशिष्ट: 21.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष,

आरओएम रिजेक्ट: 0.358 मिलियन टन प्रतिवर्ष

(कुल उत्खनन: 28.228 मिलियन टन प्रतिवर्ष)

साथ में मौजूदा क्रशर: 1200 से 1600 टन प्रतिघंटा (प्राइमरी) का विस्तार  
इंटरनल मॉडिफिकेशन द्वारा और वॉबलर: 550 टन प्रतिघंटा (सेकेंडरी)  
की स्थापना

स्थित

गांव: गोठड़ा, चौडानी, देवगांव और खैसवा की ढाणी,  
तहसील: नवलगढ़, जिला: झुंझुनूं, राज्य: राजस्थान

परियोजना प्रस्तावक



**श्री सीमेंट लिमिटेड**

बांगुर नगर, पोस्ट बॉक्स नंबर 33

ब्यावर 305901, राजस्थान, भारत

ईमेल- [sunil.deshmukh@shreecement.com](mailto:sunil.deshmukh@shreecement.com)

तालिका

क्र.सं.	विशेष	पेज नं.
1.1	परिचय	1
1.2	परियोजना के लिए उपयुक्तता	1
1.3	परियोजना विवरण	1
1.4	खनन विवरण	3
1.5	पर्यावरण का विवरण	3
1.6	प्रत्याशित पर्यावरणीय प्रभाव और शमन उपाय	4
1.7	विकल्पों का विश्लेषण ( टेक्नोलॉजी और साइट)	6
1.8	पश्च परियोजना पर्यावरणीय विश्लेषण कार्यक्रम	6
1.9	अतिरिक्त अध्ययन	6
1.9.1	जल-भूवैज्ञानिक अध्ययन	6
1.9.2	जैविक पर्यावरण	7
1.9.3	पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन कार्य योजना	7
1.10	परियोजना लाभ	7
1.11	पर्यावरण प्रबंधन योजना	7
1.12	निष्कर्ष	8



## 1.1 परिचय

श्री सीमेंट लिमिटेड ने गोठड़ा चूनापत्थर खदान (एमएल संख्या: 47/2007 और एमएल क्षेत्र: 624 हेक्टेयर) की मौजूदा पर्यावरणीय स्वीकृति में विस्तार का प्रस्ताव दिया है, जिसकी उत्पादन क्षमता; चूनापत्थर: 3.2 से 6.75 मिलियन टन प्रतिवर्ष, ऊपरी मृदा: 0.12 मिलियन टन प्रतिवर्ष, अपशिष्ट: 21.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष, आरओएम रिजेक्ट: 0.358 मिलियन टन प्रतिवर्ष (कुल उत्खनन: 28.228 मिलियन टन प्रतिवर्ष) साथ में मौजूदा क्रशर: 1200 से 1600 टन प्रतिघंटा (प्राइमरी) का विस्तार इंटरनल मॉडिफिकेशन द्वारा और खदान के भीतर वॉबलर: 550 टन प्रतिघंटा (सेकेंडरी), जो कि राजस्थान राज्य के झुंझुनूं जिले के नवलगढ तहसील के गांव: गोठड़ा, चौदानी, देवगांव और खैसवा की ढाणी में स्थित है।

पर्यावरण प्रभाव आंकलन (ई.आई.ए.) अधिसूचना दिनांक 14 सितंबर, 2006 एवं संशोधन के अनुसार, यह परियोजना खनिजों के खनन के लिए श्रेणी "ए" (>250 हेक्टेयर); परियोजना या गतिविधि 1(ए) (3) और मिनेरल बेनिफिसिएशन (क्रशर के साथ वॉबलर) के लिए परियोजना या गतिविधि 2 (बी) (3) के अंतर्गत आती है।

## 1.2 परियोजना के लिए उपयुक्तता

- श्री सीमेंट लिमिटेड ने एकीकृत सीमेंट संयंत्र (विलंकर: 2.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष, सीमेंट: 3.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष) और चूनापत्थर खदान (एमएल क्षेत्र: 624 हेक्टेयर) चूनापत्थर उत्पादन क्षमता: 3.2 मिलियन टन प्रतिवर्ष के लिए एकीकृत पर्यावरण स्वीकृति 15 जुलाई, 2009 को पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के पत्र संख्या जे-11011/1173/2007-IA II (I) के माध्यम से प्राप्त की गई थी, सीमेंट प्लांट के लिए पर्यावरण स्वीकृति 14.07.2019 तक वैध थी।
- इसलिए, पर्यावरण स्वीकृति सीमेंट संयंत्र के लिए पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के पत्र संख्या J-11011/1173/2007-IA-II(I), दिनांक 03.02.2021 के माध्यम से प्राप्त की गयी थी, जिसकी उत्पादन क्षमता विलंकर: 2.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष, सीमेंट: 4.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष, सीपीपी: 25 मेगावाट, डब्ल्यूएचआरएस: 20 मेगावाट के साथ 2000 केवीए (1000/500/250/125 केवीए के डीजी सेट) जो कि राजस्थान राज्य के झुंझुनूं जिले के नवलगढ तहसील के गांव: गोठड़ा में स्थित है।
- इसके बाद, सीमेंट संयंत्र की मौजूदा पर्यावरण स्वीकृति में विस्तार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के पत्र संख्या J-11011/1173/2007-IA-II(I), दिनांक 13.10.2023 के माध्यम से प्राप्त किया गया, जिसकी उत्पादन क्षमता; विलंकर: 2.0 से 4.5 मिलियन टन प्रतिवर्ष, सीमेंट 4.0 से 6.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष, डब्ल्यूएचआरएस: 20 से 40 मेगावाट, 2000 केवीए के डीजी सेट (1000/500/250/125 केवीए) रेलवे साइडिंग के साथ है जो कि राजस्थान राज्य के झुंझुनूं जिले के नवलगढ तहसील के गांव: गोठड़ा में स्थित है।
- मौजूदा एकीकृत सीमेंट संयंत्र की कुल चूनापत्थर की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, श्री सीमेंट लिमिटेड गोठड़ा चूनापत्थर खदान (एमएल संख्या: 47/2007 और एमएल क्षेत्र: 624 हेक्टेयर) चूनापत्थर उत्पादन क्षमता में 3.2 से 6.75 मिलियन टन प्रतिवर्ष तक विस्तार का प्रस्ताव रखा है जो कि राजस्थान राज्य के झुंझुनूं जिले के नवलगढ तहसील के गांव: गोठड़ा, चौदानी, देवगांव और खैसवा की ढाणी में स्थित है।
- यह परियोजना स्थानीय अर्थव्यवस्था को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहायता करती है, यह परियोजना विभिन्न करों और कर्तव्यों के माध्यम से राज्य के साथ-साथ राष्ट्रीय कोष में योगदान करती है। क्षेत्र में और उसके आसपास अतिरिक्त विकास के साथ, सहायक सुविधाओं/बुनियादी ढांचे में वृद्धि होगी जिससे अंततः क्षेत्र का और विकास होगा। इस परियोजना के आने से उपभोक्ताओं के लिए सीमेंट की मांग और आपूर्ति के बीच का सामंजस्य बनाए रखने में सहायता मिलेगी है। यह परियोजना क्षेत्र और राज्य के समग्र विकास को बढ़ावा देती है; स्थानीय बाजार में आय व्यय बढ़ने से स्थानीय अर्थव्यवस्था बढ़ेगी। इसलिए, परियोजना का राज्य और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्व है।

## 1.3 परियोजना विवरण

### तालिका- 1.1 परियोजना का विवरण

क्र.सं.	विशेष	विवरण
अ.	परियोजना की प्रकृति	मैकेनाइज्ड ओपनकास्ट चूनापत्थर खदान
ब.	परियोजना का आकार	

गोटड़ा चूनापत्थर खदान (एनडल संख्या: 47/2007 और एनएल क्षेत्र: 624 हेक्टेयर) का विस्तार - उत्पादन क्षमता: चूनापत्थर: 3.2 से 6.75 मिलियन टन प्रतिवर्ष, ऊपरी मृदा: 0.12 मिलियन टन प्रतिवर्ष, अपशिष्ट: 21.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष, आरओएम रिजेक्ट: 0.358 मिलियन टन प्रतिवर्ष, (कुल उत्खनन: 28.228 मिलियन टन प्रतिवर्ष) साथ में मौजूदा क्रशर: 1200 से 1600 टन प्रतिघंटा (प्राइमरी) का विस्तार इंटरनल मॉडिफिकेशन द्वारा और वॉलर: 550 टन प्रतिघंटा (सेकेंडरी) की स्थापना स्थित गांव: गोटड़ा, चौडानी, देवगांव और खैसवा की ढाणी, तहसील: नवलगढ़, जिला: झुंझुनूं, राज्य: राजस्थान

कार्यकारिणी सारंश

1	खनन पट्टा क्षेत्र	624 हेक्टेयर (सरकारी भूमि: 14.18 हेक्टेयर, निजी भूमि: 607.32 हेक्टेयर और चारागाह भूमि: 2.5 हेक्टेयर)																					
2	प्रस्तावित उत्पादन क्षमता	चूनापत्थर: 3.2 से 6.75 मिलियन टन प्रतिवर्ष ऊपरी मृदा: 0.12 मिलियन टन प्रतिवर्ष अपशिष्ट: 21.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष आरओएम रिजेक्ट: 0.358 मिलियन टन प्रतिवर्ष कुल उत्खनन: 28.228 मिलियन टन प्रतिवर्ष मौजूदा क्रशर: 1200 से 1600 टन प्रतिघंटा (प्राइमरी) का विस्तार इंटरनल मॉडिफिकेशन द्वारा प्रस्तावित क्रशर: 550 टन प्रतिघंटा (सेकेंडरी) के साथ वॉलर																					
स.	परियोजना स्थल																						
1	गांव	गोटड़ा, चौडानी, देवगांव और खैसवा की ढाणी																					
2	तहसील	नवलगढ़																					
3	जिला	झुंझुनूं																					
4	राज्य	राजस्थान																					
5	अक्षांश और देशांतर	अक्षांश: 27° 47'15.01" उत्तर - 27°48'43.12" उत्तर देशांतर: 75° 20'04.83" पूर्व - 75° 22'50.94" पूर्व स्तंभानुसार अक्षांश एवं देशांतर इस प्रकार हैं:																					
		<table border="1"> <thead> <tr> <th>स्तंभ संख्या</th> <th>अक्षांश</th> <th>देशांतर</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>इ</td> <td>27°47'58.16" उत्तर</td> <td>75° 22'50.94" पूर्व</td> </tr> <tr> <td>एफ</td> <td>27°48'43.12" उत्तर</td> <td>75° 22'31.71" पूर्व</td> </tr> <tr> <td>जी</td> <td>27° 47'53.41" उत्तर</td> <td>75° 20'04.83" पूर्व</td> </tr> <tr> <td>एच</td> <td>27° 47'20.76" उत्तर</td> <td>75° 20'18.81" पूर्व</td> </tr> <tr> <td>आई</td> <td>27° 47'20.69" उत्तर</td> <td>75° 20'47.13" पूर्व</td> </tr> <tr> <td>जे</td> <td>27° 47'15.01" उत्तर</td> <td>75°20'47.11" पूर्व</td> </tr> </tbody> </table>	स्तंभ संख्या	अक्षांश	देशांतर	इ	27°47'58.16" उत्तर	75° 22'50.94" पूर्व	एफ	27°48'43.12" उत्तर	75° 22'31.71" पूर्व	जी	27° 47'53.41" उत्तर	75° 20'04.83" पूर्व	एच	27° 47'20.76" उत्तर	75° 20'18.81" पूर्व	आई	27° 47'20.69" उत्तर	75° 20'47.13" पूर्व	जे	27° 47'15.01" उत्तर	75°20'47.11" पूर्व
स्तंभ संख्या	अक्षांश	देशांतर																					
इ	27°47'58.16" उत्तर	75° 22'50.94" पूर्व																					
एफ	27°48'43.12" उत्तर	75° 22'31.71" पूर्व																					
जी	27° 47'53.41" उत्तर	75° 20'04.83" पूर्व																					
एच	27° 47'20.76" उत्तर	75° 20'18.81" पूर्व																					
आई	27° 47'20.69" उत्तर	75° 20'47.13" पूर्व																					
जे	27° 47'15.01" उत्तर	75°20'47.11" पूर्व																					
6	टोपोशीट नंबर	कोर क्षेत्र: जी 43 डी 5 बफर क्षेत्र: जी 43 डी 1, जी 43 डी 2, जी 43 एमएच 5 - जी 43 एमएच 6																					
द.	पर्यावरणीय स्थिति विवरण (खनन सीमा से लगभग दूरी व दिशा के साथ)																						
1	निकटतम नगर/ शहर	➤ नवलगढ़ शहर (~7.0 कि.मी. की उत्तर-पश्चिम दिशा में) ➤ सीकर शहर (~27 कि.मी. की दक्षिण-पश्चिम दिशा में)																					
2	निकटतम राजमार्ग	➤ राज्य राजमार्ग 258 (~1.0 कि.मी. की दक्षिण-पश्चिम दिशा में) ➤ राज्य राजमार्ग 8 (~8.5 कि.मी. की पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में) ➤ राज्य राजमार्ग 37 (~9.0 कि.मी. की पूर्व दिशा में)																					
3	निकटतम रेलवे स्टेशन	नवलगढ़ रेलवे स्टेशन (9.8 कि.मी. की उत्तर-पश्चिम दिशा में)																					
4	निकटतम हवाई अड्डा	जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (116 कि.मी की दक्षिण-पूर्व दिशा में)																					
5	राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभ्यारण्य, जैवविविधता संरक्षेत्र, वन्यजीव मार्ग, बाघ/हाथी अभ्यारण्य, संरक्षित वन, आरक्षित वन आदि, परियोजना स्थल से 10 किलोमीटर तक क्षेत्रफल के दायरे में	खनन सीमा के 10 कि.मी. के भीतर कोई नहीं																					

गोठड़ा चूनापत्थर खदान (एनएल संख्या: 47/2007 और एनएल क्षेत्र: 624 हेक्टेयर) का विस्तार - उत्पादन क्षमता; चूनापत्थर: 3.2 से 6.75 मिलियन टन प्रतिवर्ष, ऊपरी मृदा: 0.12 मिलियन टन प्रतिवर्ष, अपशिष्ट: 21.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष, आर्खोएन रिजेक्ट: 0.358 मिलियन टन प्रतिवर्ष, (कुल उत्खनन: 28.228 मिलियन टन प्रतिवर्ष) साथ में मौजूदा क्रसर: 1200 से 1800 टन प्रतिघंटा (ग्राइमरी) का विस्तार इंटरनल मोडिफिकेशन द्वारा और वॉलर: 850 टन प्रतिघंटा (सेकेंडरी) को स्थापना स्थित गांव: गोठड़ा, चौडानी, देवगांव और चैसावा की ढाणी, तहसील: नवलगढ़, जिला: झुंझुनू, राज्य: राजस्थान

कार्यकारीगी सारंश

6	10 कि.मी. त्रिज्या अध्ययन क्षेत्र में जल निकाय	उदयपुर लोहगढ़ नदी (मौसमिक) (~100 मीटर की पूर्व दिशा में)
7	भूकम्पीय जोन	आईएस: 1893 (भाग-1): 2002 के अनुसार जोन - II
ड.	लागत विवरण	
1.	कुल परियोजना लागत	512.72 करोड़ रुपये
2.	पर्यावरण प्रबंधन योजना के लिए लागत	पूजीगत लागत: 12.41 करोड़ रुपये आवर्ती लागत: 1.01 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष

स्रोत: क्षेत्र भ्रमण और ग्री- फिजिविलटी रिपोर्ट

#### 1.4 खनन विवरण

तालिका - 1.2  
खनन विवरण

क्रमांक	विशेष	विवरण
1	खनन विधि	मैकेनाइज्ड ओपनकास्ट चूनापत्थर खदान
2	उत्पादन क्षमता	चूनापत्थर: 3.2 से 6.75 मिलियन टन प्रतिवर्ष कुल उत्खनन: 28.228 मिलियन टन प्रतिवर्ष
3	कुल भूगर्भीय भण्डार	326 मिलियन टन
4	कुल खनन योग्य भण्डार	179 मिलियन टन
5	खनन की आयु	27 वर्ष
6	ओवरआल पिट स्लोप	35°
7	बेंच की ऊँचाई और चौड़ाई	अधिकतम बेंच ऊँचाई मृदा: 3मीटर ओवरबर्डन: 10 मीटर चूनापत्थर: 12 मीटर बेंच चौड़ाई मृदा : 6 मीटर ओवरबर्डन: 15 मीटर चूनापत्थर: 12-50 मीटर
8	एलिवेशन रेंज	409-427 मीटर समुद्र तल से ऊपर
9	सामान्य भूमि स्तर	418 मीटर समुद्र तल से ऊपर
10	जल स्तर	110 मीटर भूतल से नीचे
11	वर्तमान कार्यशील गहराई	70 मीटर भूतल से नीचे (348 मीटर समुद्र तल से ऊपर)
12	अंतिम कार्यशील गहराई	368 मीटर भूतल से नीचे (50 मीटर समुद्र तल से ऊपर) (Avg. अंतिम गहराई 150 मीटर बीजील)
13	प्रतिदिन कार्य दिवसों की संख्या	350 दिन
14	प्रतिदिन शिफ्ट की संख्या	3 शिफ्ट
15	स्ट्रिपिंग अनुपात	1: 2.64 ;(टन:टन)

स्रोत: अप्रूव्ड रिव्यू ऑफ माइनिंग प्लान अलॉग विद प्रोग्रेसिव माइन क्लोजर प्लान

#### 1.5 पर्यावरण का विवरण

प्रस्तावित विस्तार परियोजना के लिए पर्यावरण प्रभाव आंकलन अध्ययन करने के लिए शीतकालीन मौसम (दिसंबर, 2023 से फरवरी, 2024) के दौरान आधारभूत डेटा एकत्र किया गया है।

##### व्यापक वायु पर्यावरण

सभी 12 व्यापक वायु गुणवत्ता मानिट्रिंग स्टेशनों के लिए पीएम 2.5 और पीएम 10 की सांद्रता क्रमशः 46.1 से 82.7 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर और 24.4 से 46.2 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर के मध्य पाई गई। सल्फर डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड की सांद्रता 5.6 से 15.5 माइक्रोग्राम प्रतिघन मीटर और 9.1 से 27.3 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर के मध्य पाई गई। कार्बन मोनोआक्साइड सांद्रता बीडीएल से 0.82 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर तक पाई गई।

अध्ययन क्षेत्र में पैरामीटर निर्धारित मानदंडों के भीतर पाए गए हैं; सल्फर डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड का अधिकतम सांद्रता नवलगढ़ में पाया जाता है। पीएम 2.5 और पीएम 10 की अधिकतम सांद्रता खदान स्थल पर पाई गई। गांव गुजरो की ढाणी में पीएम 2.5 और पीएम 10 और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड की न्यूनतम सांद्रता पाई गई और ग्राम मिनों की ढाणी में सल्फर डाइऑक्साइड की सांद्रता न्यूनतम पाई गई क्योंकि वहां वायु प्रदूषण का कोई बड़ा स्रोत नहीं है।

### ध्वनि गुणवत्ता स्तर

खदान स्थल, संयंत्र स्थल और उसके आसपास 10 स्थानों पर परिवेशी ध्वनि का स्तर मापा गया। दिन के समय ध्वनि का स्तर 51.1 से 60.2 Leq dB (A) और रात के समय 40.5 से 44.8 Leq dB (A) के मध्य पाया गया।

दिन के समय नेहरों की ढाणी में न्यूनतम ध्वनि स्तर 51.1 और रात के समय पुजारी की ढाणी में 40.5 दर्ज किया गया। खदान स्थल पर परिचालन गतिविधियों के कारण दिन के समय और रात के समय ध्वनि का उच्चतम स्तर 60.2 और 44.8 पाया गया।

उपरोक्त अध्ययन से, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि अध्ययन क्षेत्र में ध्वनि का स्तर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा निर्धारित सीमा के भीतर है।

### सतही जल की गुणवत्ता

बेसलाइन डेटा संग्रह के समय, क्षेत्र के 10 किमी के भीतर केवल एक सतही जल निकाय, उदयपुर लोहारगढ़ नदी पायी गयी लेकिन अध्ययन अवधि के दौरान उदयपुर लोहारगढ़ नदी में पानी मौजूद नहीं था।

### भूजल गुणवत्ता

एकत्र किए गए सभी 9 सैम्पलिंग स्टेशनों के भूजल विश्लेषण से पता चलता है कि पीएच 7.68 से 8.02 तक है, कुल कठोरता: 161.7 से 263.8 मिलीग्राम/लीटर, कुल घुलनशील ठोस: 401.0 से 633.0 मिलीग्राम/लीटर के मध्य है।

पानी के नमूनों में सल्फेट: 28.6 से 39.2 मिलीग्राम/लीटर, कैल्शियम: 27.23 से 78.87 मिलीग्राम/लीटर, मैग्नीशियम: 16.30 से 31.0 मिलीग्राम/लीटर के मध्य पाए गए हैं।

इस प्रकार, भूजल के लिए विश्लेषण परिणामों से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि, सभी नमूने, पीने के पानी के मानक (IS: 10500-2012) के लिए अनुमत सीमा और अनुपालन के भीतर पाए गए हैं।

### मृदा की गुणवत्ता

क्षेत्र के आधारभूत अध्ययन के लिए मृदा की गुणवत्ता के स्थानों पर जब विश्लेषण किया गया तो पीएच का मान 7.26 से 8.03 के मध्य पाया गया। मिट्टी की बनावट सैंडी क्ले लोम और सैंडी लोम है। मृदा में कार्बनिक पदार्थ: 0.57% से 0.77% तक पाया गया।

सभी आवश्यक पोषक तत्व, अन्य सूक्ष्म पोषक तत्वों और मैक्रो पोषक तत्वों की तुलना में अधिक मात्रा में मौजूद पाए गए जैसे उपलब्ध नाइट्रोजन (N): 125.18 से 237.54 किग्रा/हेक्टेयर, उपलब्ध फास्फोरस (P): 18.83 से 33.23 किग्रा/हेक्टेयर, मैग्नीशियम (Mg): 292.26 से 451.10 मिलीग्राम/किग्रा, कैल्शियम (Ca): 1942.77 से 2875.76 मिलीग्राम/किग्रा, क्लोराइड (Cl): 95.65 से 215.65 मिलीग्राम/किग्रा, जिंक (Zn): 18.35 से 29.60 मिलीग्राम/किग्रा और मैंगनीज (Mn): 209.15 से 339.82 मिलीग्राम/किग्रा मात्रा में मौजूद पाए गए हैं। इन परिणामों से संकेत मिलता है कि अध्ययन क्षेत्र के भीतर मिट्टी की गुणवत्ता अच्छी है और इसमें पर्याप्त पोषक तत्व, अन्य सूक्ष्म पोषक तत्व और मैक्रो पोषक तत्व हैं जो स्वस्थ पौधों के जीवन के लिए महत्वपूर्ण हैं।

## 1.6 प्रत्याशित पर्यावरणीय प्रभाव और शमन उपाय

### वायु पर्यावरण

खनन गतिविधियों (ड्रिलिंग, ब्लास्टिंग, लोडिंग, डुलाई, अनलोडिंग और परिवहन) से प्रमुख वायु उत्सर्जन पार्टिकुलेट मैटर, नाइट्रोजन के ऑक्साइड और सल्फर डाइऑक्साइड हैं। हैवी अर्थ मूविंग मशीनरीज और वाहनों के परिवहन से गैसीय उत्सर्जन उत्पन्न होता है। खदान में खनन के कारण होने वाले वायु प्रदूषण का प्रमुख उत्सर्जन पार्टिकुलेट मैटर हैं।

नियंत्रित ब्लास्टिंग, ड्रिलिंग से पहले पानी का छिड़काव, ब्लास्टिंग और परिवहन गतिविधियों के दौरान पानी का छिड़काव, द्वितीयक ब्लास्टिंग से बचने के लिए सॉक्रेकर का उपयोग, हरितपट्टिका/पौधारोपण का विकास आदि तथा उत्सर्जन (फ्यूजिटिव एमिशन) को नियंत्रित करने हेतु हरितपट्टिका/पौधारोपण क्षेत्र का विकास इत्यादि कार्य किए जा रहे हैं/किए जाएंगे।

उपकरणों और हैवी अर्थ मूविंग मशीनरी के बेहतर रखरखाव, खनन उपकरणों और वाहनों की पीयूसी जांच से उत्सर्जन को कम करने में मदद मिलेगी। उचित सुरक्षा उपाय यानी बैग फिल्टर का उपयोग, धूल को हवा में फैलने से रोकने के लिए क्रशर हॉपर पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव, विशेष रूप से चार्जिंग हॉपर और क्रशिंग स्थान पर उड़ने वाली धूल को रोकने वाली रोकने के लिए दीवारों का निर्माण, आसपास के क्षेत्र में हरित पट्टिका/पौधारोपण का विकास किया जा रहा है। फ्यूजिटिव धूल को ट्रेप करने हेतु क्रशर के आसपास वाले क्षेत्र में हरितपट्टिका/पौधारोपण का विकास इत्यादि कार्य किए जा रहे हैं/किया जाएगा। धूल को हवा में फैलने से रोकने के लिए के लिए क्रशर के आसपास चारों ओर हरितपट्टिका/पौधारोपण का विकास जैसे उपाय किए जा रहे हैं/किए जाएंगे। क्रशर हॉपर पर मिस्ट फॉग सिस्टम (एटोमाइज्ड वॉटर स्पिंकलर) लगाया गया है/लगाया जाएगा।

### जल पर्यावरण

मौजूदा पानी की आवश्यकता 120 किलो लीटर प्रतिदिन है जो भूजल से प्राप्त की जा रही है और विस्तार परियोजना के लिए अतिरिक्त 130 किलो लीटर प्रतिदिन की आवश्यकता होगी जो भूजल (यानी 80 किलो लीटर प्रतिदिन) और एसटीपी उपचारित पानी/खदान संग्रह (यानी 50 किलो लीटर प्रतिदिन) से प्राप्त की जाएगी। इस प्रकार, विस्तार के बाद कुल पानी की आवश्यकता 250 किलो लीटर प्रतिदिन है। ग्राउंड वाटर विड्रॉल (1200 किलो लीटर प्रतिदिन) के लिए एनओसी केंद्रीय भूजल प्राधिकरण समिति से दिनांक 01.01.2021 को प्राप्त की गई थी और यह 31.12.2023 तक वैध थी। कंपनी ने सीमेंट संयंत्र के लिए 1000 किलो लीटर प्रतिदिन और खदान के लिए 200 किलो लीटर प्रतिदिन के ग्राउंड वाटर विड्रॉल के रिन्यूअल के लिए अलग-अलग आवेदन प्रस्तुत किया है और केंद्रीय भूजल प्राधिकरण समिति से खदान के लिए एनओसी संख्या सीजीडब्ल्यूए/एनओसी/एमआईएन/ओआरआईजी/2024/2025, दिनांक 22.04.2024 के माध्यम से प्राप्त की गई और यह 21.04.2026 तक वैध है।

### ध्वनि और कंपन

खनन गतिविधि के प्रमुख ध्वनि पैदा करने वाले स्रोत ड्रिलिंग, ब्लास्टिंग और चूनापत्थर के परिवहन के लिए उपयोग किए जाने वाले हैवी अर्थ मूविंग मशीनरीज हैं।

निकटतम बस्ती पर ब्लास्टिंग के प्रभाव को कम करने के लिए डी.जी.एम.एस के दिशानिर्देश का सख्ती से पालन किया जा रहा है/किया जाएगा। हैवी अर्थ मूविंग मशीनरीज में ऑपरेटरों के लिए ध्वनिक एकोस्टिक केबिंस उपलब्ध कराए गए हैं/प्रदान किए जाएंगे। कंपनी को काफी हद तक कम करने के लिए उचित ब्लास्ट डिजाइन और विस्फोटक चयन के माध्यम से नियंत्रित ब्लास्टिंग तकनीकों का उपयोग किया जाएगा। सेकेंडरी ब्लास्टिंग के स्थान पर हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर का उपयोग किया जा रहा है/किया जाएगा। खदान श्रमिकों को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण जैसे इयरप्लग/ईयरमफ प्रदान किए जाते हैं/किए जाएंगे। हैवी अर्थ मूविंग मशीनरीज का उचित रखरखाव, ऑयलिंग और ग्रीसिंग की जाती है/की जाएगी। क्रशिंग प्रक्रिया ध्वनि उत्पन्न करती है। ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए क्रशर में इंसुलेटर उपलब्ध किए गए हैं, क्रशर के भीतर ध्वनि को नियंत्रित करने के लिए क्लोज्ड एकोस्टिक ध्वनिक प्रणाली प्रदान की गई है और आगे भी की जाएगी।

क्रशर अनलॉडिंग क्षेत्र में बैग फिल्टर लगाए गए हैं ताकि अनियंत्रित उत्सर्जन से बचा जा सके। हॉल रोड्स पर नियमित पानी का छिड़काव किया जा रहा है/किया जाएगा। खनन पट्टे सीमा के आस-पास, खनन गतिविधि के चारों ओर हरितपट्टिका/पौधारोपण का विकास ध्वनि स्तर को कम करने में मदद करता है।

### भूमि पर्यावरण

खनन क्षेत्र की भूमि के उपयोग में बंजर भूमि के साथ-साथ कृषि भूमि से बदलकर पिट, अस्थायी डंप, ग्रीनबेल्ट आदि सहित खनन क्षेत्रों में बदल दिया जाएगा और आसपास के क्षेत्रों की सतह की विशेषताओं पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ेगा।

कन्सेन्चुअल स्तर पर, कुल उत्खनन क्षेत्र 350.4 हेक्टेयर होगा, जिसमें से 241.0 हेक्टेयर को पौधारोपण/घास द्वारा बैकफिल्ड और रिहैबिलिएटेड किया जाएगा और 109.4 क्षेत्र को जल भंडार के रूप में विकसित किया जाएगा और जल भंडार की सबसे ऊपरी बेंचों पर पौधारोपण के लिए 6.4 हेक्टेयर भूमि शामिल है।

कन्सेन्चुअल स्तर पर, 456.4 हेक्टेयर क्षेत्र को हरितपट्टिका/पौधारोपण के अंतर्गत कवर किया जाएगा (खनन पट्टा के 7.5 मीटर सीमा पर हरितपट्टिका: 8.5 हेक्टेयर, वर्जिन क्षेत्र पर पौधारोपण: 5.0 हेक्टेयर, उपयोगिता सेवाओं के तहत पौधारोपण: 6.0 हेक्टेयर, जल भंडार की सबसे ऊपरी बेंचों पर पौधारोपण: 6.4 हेक्टेयर, बैकफिल्ड क्षेत्र पर पौधारोपण: 241.0 हेक्टेयर और स्थिरीकरण के लिए ओवरबर्डन डंप पर पौधारोपण: 189.9 हेक्टेयर शामिल है)। कुल 64.2 हेक्टेयर क्षेत्र अपरिवर्तित रहेगा।

### ऊपरी मृदा एवं अपशिष्ट प्रबंधन

अब तक 0.301 मिलियन टन ऊपरी मृदा उत्पन्न की जा चुकी है। वार्षिक रूप से, 0.12 मिलियन टन, योजना अवधि के दौरान 0.376 मिलियन टन और कन्सेन्चुअल स्तर पर 2.5 मिलियन टन ऊपरी मृदा उत्पन्न होगी। ऊपरी मृदा का एक भाग वृक्षारोपण गतिविधि के लिए उपयोग किया जा रहा है और शेष भाग को खदान पट्टा क्षेत्र में अस्थायी रूप से इकट्ठा किया जा रहा है/जाएगा और बाद में वृक्षारोपण और बैकफिल्ड क्षेत्र में उपयोग किया जाएगा।

अब तक 40.104 मिलियन टन अपशिष्ट उत्पन्न हुआ है। वार्षिक 21 मिलियन टन, योजना अवधि के दौरान 70.1904 मिलियन टन और कन्सेन्चुअल स्तर पर 460 मिलियन टन अपशिष्ट उत्पन्न होगा। वर्तमान में, 1.802 मिलियन टन आर.ओ.एम. रिजेक्ट उत्पन्न किया गया है। सालाना 0.358 मिलियन टन, योजना अवधि के दौरान 1.79 मिलियन टन और कन्सेन्चुअल स्तर पर 179 मिलियन टन आर.ओ.एम रिजेक्ट उत्पन्न किया जाएगा। अपशिष्ट के एक हिस्से का उपयोग खनन क्षेत्र के 241 हेक्टेयर को 88 मीटर की अधिकतम ऊंचाई तक

गोठड़ा दूनापत्थर खदान (एनएल संख्या: 47/2007 और एनएल क्षेत्र: 624 हेक्टेयर) का विस्तार – उत्पादन क्षमता; दूनापत्थर: 3.2 से 6.75 मिलियन टन प्रतिवर्ष, ऊपरी मुदा: 0.12 मिलियन टन प्रतिवर्ष, अपशिष्ट: 21.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष, आर्जोएम रिजेक्ट: 0.350 मिलियन टन प्रतिवर्ष, (कुल उत्खनन: 29.228 मिलियन टन प्रतिवर्ष) साथ में मौजूदा क्रशर: 1200 से 1800 टन प्रतिघंटा (ग्राइन्गरी) का विस्तार इंटरनल मॉडिफिकेशन द्वारा और वॉबलर: 550 टन प्रतिघंटा (सैकेटरी) की स्थापना स्थित गांव: गोठड़ा, चौबानी, देवगांव और खैतवा की ढांगी, तहसील: नवलगढ़, जिला: झुंझुनू, राज्य: राजस्थान

कार्यकारिणी सारांश

भरने के लिए किया जाएगा और बाद में इसे पौधारोपण और घास द्वारा स्टेबलाइज्ड किया जाएगा। इसके अलावा, उत्पन्न अपशिष्ट का एक हिस्सा खदान पट्टा क्षेत्र के भीतर 189.9 हैक्टेयर क्षेत्र में अपशिष्ट ढंप के रूप में संग्रहित किया जाएगा जिसे पौधारोपण और घास करके स्टेबलाइज्ड किया जाएगा।

### 1.7 विकल्पों का विश्लेषण (टेक्नोलॉजी और साइट)

राज्य सरकार द्वारा श्री सीमेंट लिमिटेड के पक्ष में 624 हैक्टेयर क्षेत्र के लिए दिनांक 23.08.2007 को आशय पत्र जारी किया गया था। लीज डीड क्रमशः 18.04.2019 और 08.05.2019 को निष्पादित और पंजीकृत किया गया था और यह 50 वर्षों के लिए यानी 07.05.2069 तक वैध है। संपूर्ण खनन पट्टा स्थल का चयन खनिज की उपलब्धता के आधार पर किया गया है। चूंकि खनिज भंडार प्रकृति में साइट सपेसिफिक है और कोई वन भूमि या अन्य पर्यावरण-संवेदनशील स्थान नहीं है इसलिए वैकल्पिक साइट की अनुसरण की आवश्यकता नहीं है।

खनन कार्य पूर्णतः मैकेनाइज्ड ओपनकास्ट विधि द्वारा किया जा रहा रहा है/किया जाएगा। भारतीय खान ब्यूरो, अजमेर द्वारा अनुमोदित माइनिंग योजना की संशोधित समीक्षा के अनुसार खनन किया जा रहा है /किया जाएगा।

### 1.8 पश्च परियोजना पर्यावरणीय विश्लेषण कार्यक्रम

तालिका – 1.3  
पश्च परियोजना विश्लेषण

क्र.सं.	विशेष	निगरानी की आवृत्ति
1.	सूक्ष्म-मौसम संबंधी डेटा	प्रति घंटा
2.	परिवेशी वायु गुणवत्ता मॉनिटरिंग	ऑनलाइन सीएएक्यूएमएस और मैनुअल, सीपीसीबी दिशानिर्देशों के अनुसार
3.	भूजल की गुणवत्ता एवं स्तर मॉनिटरिंग	प्री-मानसून/त्रैमासिक
4.	सतही जल की गुणवत्ता एवं स्तर मॉनिटरिंग	मौसमिक
5.	ध्वनि स्तर मॉनिटरिंग	मासिक/त्रैमासिक
6.	ग्राउंड कंपन मॉनिटरिंग	प्रत्येक ब्लास्ट पर
7.	क्रशर स्टैक मॉनिटरिंग	मासिक
8.	कर्मचारियों की चिकित्सा जांच	3 से 5 वर्ष के अंतराल पर ➤ श्रमिकों की आयु <45 वर्ष : हर 5 वर्ष के बाद ➤ श्रमिकों की आयु <45वर्ष हर 3 वर्ष के बाद
9.	खनन क्षेत्र का डिजिटल मैपिंग/ड्रोन सर्वेक्षण	तीन वर्षों में एक बार / आईबीएम दिशानिर्देशों के अनुसार

स्रोत: स्टैंडर्ड ईसी कंडीशंस एवं श्री सीमेंट लिमिटेड

### 1.9 अतिरिक्त अध्ययन

टर्म ऑफ रेफरेंस (टीओआर) पत्र संख्या IA-J-11015/08/2024-IA-II (NCM) दिनांक 28.02.2024 के आधार पर अतिरिक्त अध्ययन जैसे हाइड्रो-भूवैज्ञानिक अध्ययन, जैविक अध्ययन, पुनर्वास और पुनर्स्थापन योजना और जोखिम मूल्यांकन और आपदा प्रबंधन योजना इस पर्यावरण प्रभाव आकलन/पर्यावरण प्रबंधन योजना रिपोर्ट में शामिल किया गया है।

### 1.9.1 जल-भूवैज्ञानिक अध्ययन

मौजूदा पानी की आवश्यकता 120 किलो लीटर प्रतिदिन है जो भूजल से प्राप्त की जा रही है और विस्तार परियोजना के लिए अतिरिक्त 130 केएलडी की आवश्यकता होगी जो भूजल (यानी 80 किलो लीटर प्रतिदिन) और एसटीपी उपचारित पानी/खदान संप (यानी 50 किलो लीटर प्रतिदिन) से प्राप्त की जाएगी। इस प्रकार, विस्तार के बाद कुल पानी की आवश्यकता 250 किलो लीटर प्रतिदिन है।

खनन के दौरान होने वाले सीपेज को निचली बेंचों के ऊपर स्थित माइन संप में एकत्र किया जाएगा और पानी को खदान और सीमेंट संयंत्र में उपयोग के लिए पंप किया जाएगा। ग्रामीणों को उनकी आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त पानी की आपूर्ति की जाएगी।

ग्राउंड वाटर विड्रॉल (1200 किलो लीटर प्रतिदिन) के लिए एनओसी केंद्रीय भूजल प्राधिकरण समिति से दिनांक 01.01.2021 को प्राप्त की गई थी और यह 31.12.2023 तक वैध थी। कंपनी ने सीमेंट संयंत्र के लिए 1000 किलो लीटर प्रतिदिन और खदान के लिए 200 केएलडी के ग्राउंड वाटर विड्रॉल के रिन्गुअल के लिए अलग-अलग आवेदन प्रस्तुत किया है और केंद्रीय भूजल प्राधिकरण समिति से खदान के लिए एनओसी संख्या सीजीडब्ल्यू/एनओसी/एमआईएन/ओआरआईजी/2024/2025, दिनांक 22.04.2024 के माध्यम से प्राप्त की गई और यह 21.04.2026 तक वैध है।



गोठड़ा वृनापत्कर खदान (एनएल संख्या: 47/2007 और एनएल क्षेत्र: 624 हेक्टेयर) का विस्तार - उत्पादन क्षमता: वृनापत्कर: 3.2 से 6.75 मिलियन टन प्रतिवर्ष, ऊपरी मृदा: 0.12 मिलियन टन प्रतिवर्ष, अपशिष्ट: 21.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष, आरओएन रिजेक्ट: 0.358 मिलियन टन प्रतिवर्ष, (कुल उत्खनन: 28.228 मिलियन टन प्रतिवर्ष) साथ में मौजूदा क्रसर: 1200 से 1600 टन प्रतिघंटा (प्राइमरी) का विस्तार इंटरनल मॉडिफिकेशन द्वारा और वॉबलर: 650 टन प्रतिघंटा (सेकेंडरी) की स्थापना स्थित गांव: गोठड़ा, चौबानी, देवगांव और खैसवा की ढाणी, तहसील: नवलगढ़, जिला: झुंझुनूं, राज्य: राजस्थान

कार्यकारिणी सारंश

1.9.2

### जैविक पर्यावरण

**वनस्पति: वनस्पति:** जैसे पेड़: एकेसिया अल्यूकोपलोआ (रोझ), एकेसिया निलोटिका (देसी बबूल), अजादिरावटा इंडिका (नीम), एलियनथस एक्सोलेसा (अशोका), एकेसिया निलोटिका (गोंद अरबिक), मोरस अल्बा (सफेद शहतूत) आदि; झाड़ियाँ: एर्वा जावनिका (बुई), एबूटिलोन इंडिकम (इंडियन मैलो/कांची), कैलोट्रोपिस गिगॉटिया (सफेद अकाडो), जैथियम स्ट्रुमेरियम (छोटा धतूरा), जिजिफस न्यूमुलारिया (छोटा बेर) आदि; जड़ी-बूटियाँ: आर्जीमोन मेक्सिकाना (सत्यानाशी), धतूरा मेटल (धतूरा), सोलनम सुराटेंस (कतेली), टेफ्रोसिया पुरप्यूरिया (सरफोंक), आदि; घास: अलुडा म्यूटिका (लाप्ला), सिनोजोन डैक्टिलॉन (डुवा), साइपरस रोटंडस (मोथ), डिक्थियम एनुलेटम (कराड), लासियुरस सिंडिकस (सीवान) आदि; बेल: सिट्रुलस कोलोसिथिस (टुम्बा), कुकुमिस कैलोरास (काचारी), कुरकुटा रिपलेक्सा (अमरबेल), लूफा एक्यूटागुला (रिजड लौकी/तुरई) आदि 10 किमी अध्ययन क्षेत्र के भीतर मौजूद हैं।

**जीव-जंतु:** 10 किमी अध्ययन क्षेत्र के क्षेत्रीय सर्वेक्षण के अनुसार (आईडब्ल्यूपीए) भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 यथा संशोधित 20.12.2022 के अनुसार कुल 07 अनुसूची। की प्रजातियाँ अर्थात् कौनिस ऑरियस (जैकल), फेलिस सिल्वेस्ट्रिस (रेगिस्तानी बिल्ली), फेलिस चारुस (जंगली बिल्ली), वुल्वेस बेंगालेंसिस (सामान्य लोमड़ी), पावो क्रिस्टेटस (भारतीय मोर), बुबो बुबो (यूरोशियन-ईगल उल्लू), स्टर्न ऑरेंटिया (तिहरी) दर्ज किये गये। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, अनुसूची। प्रजातियों के संरक्षण के लिए, साइट सपेसिफिक वन्यजीव संरक्षण योजना तैयार की गई और उप. वन संरक्षक को पत्र संख्या नवागढ़/डब्ल्यूएलसीपी/गोधरा खदान/2024-25/158, दिनांक 18.04.2024 जमा की गई है।

अध्ययन क्षेत्र के 10 किमी के दायरे में कोई राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य, ईएसए/ईएसजेड, बायोस्फीयर रिजर्व, वन्यजीव कोरिडोर, बाघ/हाथी रिजर्व, रामसर साइट, संरक्षित वन और रिजर्व वन आदि नहीं पाया जाता है। वनस्पतियों एवं जीवों की सूची के प्रमाणीकरण और स्थान मानचित्र के प्रमाणीकरण के संबंध में आवेदन पत्र प्रभागीय वनाधिकारी, झुंझुनूं, राजस्थान दिनांक 08.04..2024 को जमा कराया गया है।

1.9.3

### पुनर्स्थापन एवं पुनर्वास कार्य योजना

खनन पट्टा क्षेत्र 4 गांवों गोठड़ा, चौबानी, देवगांव और खैसवा की ढाणी में आता है। कुल खनन पट्टा क्षेत्र 624 हेक्टेयर है जिसमें से 607.32 हेक्टेयर निजी भूमि, 14.18 हेक्टेयर सरकारी भूमि एवं 2.5 हेक्टेयर चारागाह भूमि है। खसरा विवरण के अनुसार 192 परियोजना प्रभावित परिवार हैं और जिनकी भूमि खनन पट्टा क्षेत्र में आती है, उसका अधिग्रहण और खरीद बाकी है।

खनन पट्टा के भीतर कई स्ट्रक्चर आ रहे हैं, जिनमें से अधिकांश परिवारों को मुआवजा देने के बाद स्थानांतरित कर दिया गया है और अब सिर्फ वेकेंट स्ट्रक्चर खनन पट्टा क्षेत्र के भीतर मौजूद हैं, और 25 परिवारों के स्ट्रक्चर खनन पट्टा क्षेत्र के भीतर मौजूद हैं जिन्हें विस्थापित किया जाएगा। कुछ ऐसी स्ट्रक्चर और भी हैं जो खनन पट्टा क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं लेकिन खरीदी जाने वाली भूमि पर नहीं है, और इन्हें विस्थापित नहीं किया जाएगा।

पारदर्शिता बनाए रखने और भूमि धारकों के अनैच्छिक पुनर्वास से बचने के लिए भूमि अधिग्रहण गतिविधि में सरफेस राइट प्रक्रिया का पालन किया गया। अधिग्रहीत की जाने वाली शेष भूमि के लिए भूमि अधिग्रहण में उचित मुआवजा और पारदर्शिता, आर एंड आर सहमति और आपसी समझौते की प्रक्रिया के माध्यम से प्राप्त की जाएगी, जिसके तहत खरीदार भूमि खोने वालों के आर्थिक पुनर्वास के लिए जिम्मेदार है। इसके लिए प्रस्तावित बजट रु. 80.4198 करोड़ है।

1.10

### परियोजना लाभ

यह परियोजना स्थानीय अर्थव्यवस्था को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से मदद कर रही है/करेगी क्योंकि इस प्रस्तावित विस्तार इकाई के लिए पूंजी व्यय से क्षेत्र में पर्याप्त रोजगार पैदा करेगा। यह विस्तार परियोजना विभिन्न करों और शुल्कों के माध्यम से राज्य के साथ-साथ राष्ट्रीय कोष में भी योगदान होगा। प्रस्तावित क्षेत्र में और उसके आसपास विकास के साथ, सहायक सुविधाएं और बुनियादी ढांचा उपलब्ध होगा जिससे अंततः क्षेत्र का विकास होगा। यह परियोजना क्षेत्र और राज्य के समग्र विकास को बढ़ावा देगी। स्थानीय अर्थव्यवस्था स्थानीय बाजार में आय-व्यय के कारण बढ़ती है। इसलिए परियोजना का राज्य और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्व है। रोजगार सृजन और देश की आर्थिक वृद्धि में योगदान के साथ-साथ परियोजना स्थानीय क्षेत्र की बुनियादी जरूरतों जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, महिला सशक्तिकरण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, जल संरक्षण, बुनियादी ढांचे के विकास में भी सहायक होगी।

1.11

### पर्यावरण प्रबंधन योजना

श्री सीमेंट लिमिटेड के पास पर्यावरण निगरानी और नियंत्रण के लिए एक पूर्ण पर्यावरण प्रबंधन सेल (ईएमसी) है। पर्यावरण और/या व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा (OH&S) पर प्रभाव डालने वाली गतिविधियों का प्रबंधन, प्रदर्शन और सत्यापन करने वाले विभिन्न कर्मियों की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां शीर्ष प्रबंधन द्वारा तय की गई हैं। परियोजना के कार्यान्वयन के लिए कुल लागत रुपये 512.72

गोठड़ा चूनापत्थर खदान (एनएल संख्या: 47/2007 और एनएल क्षेत्र: 624 हेक्टेयर) का विस्तार - उत्पादन क्षमता: चूनापत्थर: 3.2 से 6.75 मिलियन टन प्रतिवर्ष, ऊपरी युवा: 0.12 मिलियन टन प्रतिवर्ष, अपशिष्ट: 21.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष, आरओएम रिजेक्ट: 0.358 मिलियन टन प्रतिवर्ष, (कुल उत्खनन: 28.228 मिलियन टन प्रतिवर्ष) साथ में मौजूदा क्रसर: 1200 से 1600 टन प्रतिघंटा (ग्राइमरी) का विस्तार इंटरनल मॉडिफिकेशन द्वारा और बॉबलर: 550 टन प्रतिघंटा (सेकेंडरी) की स्थापना  
स्थित गांव: गोठड़ा, चौबानी, देवगांव और चौतला की ढागी, तहसील: नवलगढ़, जिला: झुझरू, राज्य: राजस्थान

कार्यकारिणी सारदा

करोड़ पर्यावरण प्रबंधन योजना के लिए पूंजीगत लागत रुपये 12.41 करोड़ और आवर्ती लागत रुपये 1.01 करोड़ प्रति वर्ष की परिकल्पना की गई है। परियोजना के विस्तार के बाद पर्यावरण प्रबंधन योजना के लिए कुल पूंजीगत लागत रुपये 15.91 करोड़ और आवर्ती लागत रुपये 1.26 करोड़ प्रति वर्ष की परिकल्पना की गई है।

1.12

#### निष्कर्ष

विस्तार परियोजना स्थानीय लोगों के लिए लाभकारी साबित होगी क्योंकि प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। रॉयल्टी, डीएमएफ, एनएमईटी, जीएसटी और अन्य करों आदि के माध्यम से सरकार को राजस्व सृजन में वृद्धि होगी। आस-पास के गांवों में शिक्षा, सड़कें, पीने के पानी की उपलब्धता और चिकित्सा जैसे सुविधाएँ बुनियादी ढांचे में सुधार होगा। स्थानीय ग्रामीणों की कमाई में वृद्धि होगी क्योंकि आगे विस्तार के कारण उन्हें चूनापत्थर की खदान में रोजगार मिलेगा जिसके परिणामस्वरूप अंततः जीवन स्तर बेहतर होगा। वायु, जल, मिट्टी और ध्वनि का कोई महत्वपूर्ण प्रदूषण नहीं हो रहा है। पर्यावरण के सभी घटकों की नियमित जांच की जा रही है/की जायेगी। कंपनी द्वारा उठाए गए सामाजिक कल्याण उपायों से आस-पास के गांवों में विकास हो रहा है/होगा।

